भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर -2026-27

कक्षा-9	**विभाग: हिंदी**	**Date - 14.04.2026**
STUDY MATERIAL - 1→ STUDY MATERIAL - 2 →	**व्याकरण - संज्ञा, सर्वनाम, निपात, उपसर्ग - प्रत्यय और** विराम-चिह्न	**Note: Pl. file in portfolio**

नाम: ____________________अनुभाग: ______ अनुक्रमांक: ______ दिनांक: ___________

संज्ञा

- **संज्ञा की परिभाषा**
- संज्ञा वह शब्द है जो किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव या गुण का बोध कराता है। सरल शब्दों में, संज्ञा नाम बताने वाले शब्द होते हैं।
- **उदाहरण:** राम, दिल्ली, पुस्तक, खुशी, ईमानदारी।
- **संज्ञा के भेद**
- **1. व्यक्तिवाचक संज्ञा 2. जातिवाचक संज्ञा 5. द्रव्यवाचक संज्ञा**
- **3. भाववाचक संज्ञा 4.समूहवाचक संज्ञा**

1.. व्यक्तिवाचक संज्ञा- किसी विशेष व्यक्ति, स्थान या वस्तु का नाम बताने वाले शब्द।
उदाहरण: राम, सीता, दिल्ली, गंगा।
2. जातिवाचक संज्ञा- किसी जाति या वर्ग का बोध कराने वाले शब्द।
उदाहरण: लड़का, लड़की, शहर, नदी।
3. भाववाचक संज्ञा- किसी भाव, अवस्था या गुण का बोध कराने वाले शब्द।
उदाहरण: खुशी, दुख, ईमानदारी, साहस।
4. समूहवाचक संज्ञा- किसी समूह या संग्रह का बोध कराने वाले शब्द।
उदाहरण: सेना, झुंड, वर्ग, टोली।
5. द्रव्यवाचक संज्ञा- किसी पदार्थ या द्रव्य का बोध कराने वाले शब्द।
उदाहरण: पानी, दूध, सोना, तेल।

सर्वनाम (Pronoun)

परिभाषा- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्दों को **सर्वनाम** कहते हैं। यह संज्ञा की पुनरावृत्ति को रोकता है और भाषा को सरल बनाता है।
उदाहरण:- राम पढ़ रहा है। वह बहुत मेहनती है। (यहाँ *वह* शब्द *राम* के स्थान पर प्रयुक्त हुआ है।)

सर्वनाम के भेद

1. **पुरुषवाचक सर्वनाम**- जो किसी व्यक्ति का बोध कराएँ। **उदाहरण:** मैं, हम, तुम, वह, ये, वे
2. **निजवाचक सर्वनाम**- जो अपनेपन का बोध कराएँ। **उदाहरण:** स्वयं, खुद, अपने आप
3. **निश्चयवाचक सर्वनाम**- जो किसी विशेष वस्तु या व्यक्ति की ओर संकेत करें। **उदाहरण:** यह, वह
4. **अनिश्चयवाचक सर्वनाम**-जो किसी अनिश्चित व्यक्ति या वस्तु का बोध कराएँ। **उदाहरण:** कोई, कुछ,
5. **प्रश्नवाचक सर्वनाम**- जो प्रश्न पूछने के लिए प्रयुक्त हों। **उदाहरण:** कौन, क्या
6. **संबंधवाचक सर्वनाम**- जो दो वाक्यों को जोड़ते हैं और संबंध बताते हैं। **उदाहरण:** जो-वह, जिसे-उसे, जिसका-उसका, जैसा-वैसा। वाक्य - जो मेहनत करता है, वही सफल होता है।

निपात

परिभाषा- निपात वे अव्यय शब्द हैं जो वाक्य में विशेष अर्थ, भाव या ज़ोर देने के लिए प्रयुक्त होते हैं। ये अपने आप में कोई पूर्ण अर्थ नहीं देते, बल्कि अन्य शब्दों के साथ मिलकर अर्थ स्पष्ट करते हैं। **उदाहरण:** ही, भी, मात्र, तो, तक, भर

उदाहरण

1. वह स्कूल तक गया।
2. मुझे भी अपने साथ ले चलिए ।
3. मैं तो उसे जानता भर हूँ ।
3. यह काम मैं ही करूँगा।
4. वह तो काम करने से रहा ।
5. मेरे पास मात्र 2 रुपये हैं ।

Study Material - 2 उपसर्ग - प्रत्यय और विराम-चिह्न

I. उपसर्ग

वे शब्दांश, जो किसी शब्द के शुरू (आरंभ) में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन या विशेषता ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं; **उदाहरण:** अति + आचार = अत्याचार, दुर् + लभ = दुर्लभ

उपसर्ग

1. अध - अधखिला, अधपका, अधमरा, अधजला
2. अन - अनपढ़, अनमोल, अनहोनी, अनसुना, अनचाहा
3. पर - परलोक, परतंत्र, परदादा, परनाना, परदेश
4. भर - भरपेट, भरपूर, भरपाई, भरमार, भरसक
5. स - सपरिवार, सकुशल, सजल, सचेत, सक्रिय
6. सु - सुपुत्र, सुकर्म, सुगंध, सुविचार, सुबुद्धि

7. वि - वियोग, विनम्र, विदेश, विज्ञान, विक्रय

8. बद - बदनसीब, बदनाम, बदसूरत, बदतमीज़

9. ला - लाजवाब, लापरवाह, लाइलाज, लापता

10. ना - नाकामयाब, नालायक, नापसंद, नासमझ

2. प्रत्यय

वे शब्दांश, जो शब्दों के अंत में जुडकर शब्द के अर्थ में विशेषता या बदलाव ला देते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं; जैसे - पर्वत (पहाड़) + ईय = पर्वतीय (पर्वत संबंधी), कीमत (मूल्य) + ई = कीमती (मूल्यवान)

प्रत्यय

1. इत - भ्रमित, आनंदित, लिखित, उत्साहित, नियमित, प्रमाणित, पुष्पित
2. आवट - लिखावट, बनावट, सजावट, मिलावट, रुकावट, थकावट, दिखावट
3. आलु - दयालु, श्रद्धालु, कृपालु, ईर्ष्यालु, शंकालु
4. कार - चित्रकार, कलाकार, पत्रकार, नाटककार, कथाकार, उपन्यासकार, कहानीकार
5. गर - सौदागर, बाज़ीगर, जादूगर, कारीगर, उजागर
6. पन - अपनापन, बचपन, पागलपन, दीवानापन, लड़कपन, बालपन
7. त्व - व्यक्तित्व, देवत्व, पुरुषत्व, अमरत्व, स्वत्व, बंधुत्व, अपनत्व
8. इक - दैनिक, मौखिक, धार्मिक, सामाजिक, पारिवारिक, मौलिक, भौगोलिक, क्षणिक, ऐतिहासिक, मासिक, साप्ताहिक, वार्षिक, आर्थिक
9. ता - चंचलता, चपलता, सुंदरता, सरसता, लघुता, महानता, विशालता, एकता, प्रधानता, प्रमुखता
10. ईला - चमकीला, ज़हरीला, रसीला, सुरीला, गठीला, भड़कीला, शर्मीला

3. विराम-चिह्न

भाषा के लिखित रूप में रुकने के लिए जिन चिह्नों या संकेतों का प्रयोग किया जाता है, उन्हें विराम-चिह्न कहते हैं।

विराम- चिह्न का नाम और चिह्न

- पूर्ण विराम (Full stop) **।**
- अर्ध विराम (Semi-colon) **;**
- अल्प विराम (Comma) **,**

- प्रश्नवाचक चिह्न (Question mark) **?**
- विस्मयवाचक चिह्न (Exclamation mark) **!**
- योजक या विभाजक (Hyphen) **-**
- निर्देशक (Dash) –
- उद्धरण चिह्न (Inverted comma) **‘ ’,“ ”**
- विवरण चिह्न (Sign of following) **:** –
- कोष्ठक (Bracket) **( )**
- हंस पद (Sign of left out) **^**
- लाघव या संक्षेपक चिह्न (Sign of abbreviation) **०**
- उपविराम (Colon) **:**

कुछ उदाहरण -

1. वह घर आया; थोड़ी देर बाद चला गया।
2. मि० वर्मा एम० ए०, बी० एड०, पी० एच० डी० हैं।
3. सुभाषचंद्र बोस ने कहा, “तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।”
4. अहा! कितने सुंदर फूल खिले हैं।
5. वह क्या पढ़ता है, क्या लिखता है, क्या याद करता है, यह मुझसे क्यों पूछ रहे हो?
6. जीवन-मरण, यश-अपयश, मोती-से अक्षर, उठते-बैठते, हँसते-हँसते, पढ़ते-पढ़ते।
7. राजा दशरथ के चार पुत्र थे**:** – राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न।
8. राष्ट्रीय त्योहार (स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस) राष्ट्रीय एकता बढ़ाने में सहायक हैं।
9. अध्यापक छात्रों को पढ़ाते हैं।
10. सुमन, तुम कब आईं?
11. अरे! बरसात होने लगी।
12. ‘रामचरित मानस’ तुलसीदास की विश्व प्रसिद्ध कृति है।
13. ग्रेसम का कहना था – “पुराना नोट नए नोट के चलन में बाधक होता है।”
14. कृपया पन्ना उलटिए = (कृ०प०उ०)